दैनिक
पदमावत मीडिया

Reg.No.MH18D0030877 •ई-पेपर• •न रिश्वत लेंगे, न रिश्वत देंगे•

www.padmavatmedia.in Mo. 9594542679 Email- padmavatmedia@gmail.com

वर्ष : 10 • डिजिटल अंक : 285 • मुंबई, सोमवार, 24 जून, 2024 • प्रधान सम्पादक : पवन जैन पदमावत • पृष्ठ : 2 • मूल्य-0.00 निःशुल्क •

खटीक समाज ने किया शिक्षा मंत्री दिलावर का स्वागत, सामूहिक विवाह के लिए निमंत्रण दिया

समाज में शिक्षा का स्तर और बढना चाहिए - दिलावर

पदमावत मीडिया

उदयपुर । श्री पंच महासभा खटीक समाज उदयपुर और खटीक समाज राष्ट्रीय संगठन की ओर से शनिवार को हाथीपोल चौराहा पर राज्य के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का भव्य स्वागत किया गया। खटीक समाज राष्ट्रीय संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आकाश बागडी, संस्थापक जय निमावत, प्रदेश अध्यक्ष पीसी चावला ने उन्हें आगामी बसंत पंचमी पर होने वाले समाज के सामूहिक विवाह में आने के लिए निमंत्रण दिया। दिलावर रात करीब 8 बजे हाथीपोल चौराहा पहुंचे जहां खटीक समाज की ओर से स्वागत द्वार बनाए गए थे। श्री पंच महासभा खटीक समाज के अध्यक्ष किशन चौहान, उपाध्यक्ष रामलाल चौहान, कोषाध्यक्ष गणेश चौहान, भाजपा नेता शैलेंद्र सिंह चौहान के साथ ही खटीक समाज राष्ट्रीय संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष आकाश बागडी, संस्थापक जय निमावत, प्रदेश अध्यक्ष पीसी चावला, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष केसर बाई, जिला अध्यक्ष तुलसी बाई चंदेल व प्रियंका चौहान आदि ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की अगवानी की और उन्हें 21 किलो वजनी फूलों की माला पहनाकर समाज गौरव से अभिनंदन किया। समाज के प्रबुद्ध लोगों ने श्री दिलावर को उदयपुर में समाज द्वारा की जा रही गतिविधियों से अवगत करवाया और बताया कि समाज लगातार मजबूत हो रहा है और कई प्रकल्पों के माध्यम से समाज के जरुरतमंद लोगों की सेवा की जा रही है। उन्होंने आगामी बसंत पंचमी पर सामूहिक विवाह समारोह में आने का भी निमंत्रण दिया जिसे उन्होंने स्वीकार कर कहा कि समाज में इस तरह के आयोजन होने चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के बच्चों को शिक्षित करने पर ध्यान देना चाहिए। इस दौरान समाज की ओर से जगन्नाथ निमावत, ललित चौहान, नरेंद्र चौहान, कमल बागडी, मोहनलाल पहाडिया, गोपाल कटारिया, चंद्र प्रकाश चंदेल, कैलाश, चमन चंदेरिया, दया शंकर निमावत, कमला चौहान, प्रमिला बागडी, राधा चंदेल, निशा चंदेल, मीनाक्षी कटारिया व कंचन निमावत आदि ने भी मंत्री श्री दिलावर का उपरना और साफा पहनाकर स्वागत किया।

समाज भावीपीढ़ी को संस्कारित करे -कटारिया

मेवाड़ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी कांफ्रेंस शपथ समारोह सम्पन्न

पदमावत मीडिया

उदयपुर । सामाजिक संस्था श्री मेवाड़ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी कॉन्फ्रेंस का शपथ ग्रहण समारोह कॉन्फ्रेंस के प्रधान कार्यालय में रविवार को आसाम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। शपथग्रहण समारोह में महामहिम राज्यपाल कटारिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज भावी पीढी को संस्कारित करने के लिए विशेष प्रयास करे, साथ ही शैक्षिक विकास की ओर ध्यान देते हुए समाज के बच्चे अधिक से अधिक प्रशासनिक सेवाओं में जाए। आज आवश्यकता है आडंबर रहित समाज बनाने की और समाज में एकता,समानता और समरसता प्रतिस्थापित करने की। समाज जन एक दूसरे का परस्पर सहयोग करते हुए आगे बढने का प्रयास करे। मेवाड़ कॉन्फ्रेंस के नव निर्वाचित अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत एवं उनकी टीम को बधाई देते हुए शिक्षा सेवा और संस्कारों के कामों में आगे बढने की प्रेरणा दी। समारोह की अध्यक्षता अध्यक्ष राजस्थान के सहकारिता मंत्री गोतम दक ने समाज जनों को आव्हान किया कि सामाजिक समस्याओं के समाधान सामाजिक मंच पर करने का प्रयास करे तथा संयुक्त परिवार पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इस अवसर पर स्थानीय विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी, तेरापंथी महासभा के ट्रस्टी गौतम बापना, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्मल गोखरू, उदयपुर विधायक ताराचंद जैन, सहाड़ा विधायक लादूलाल पितलिया ने भी संबोधित किया।

आसाम के राज्यपाल कटारिया ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजकुमार फतावत एवं उनके प्रबंध मंडल के देवेन्द्र कच्छारा निवर्तमान अध्यक्ष, भूपेन्द्र चौरडिया कार्यकारी अध्यक्ष, दिनेश हिंगड वरिष्ठ पुर, अनिल सुराणा चित्तौडगढ, महेन्द्र बोहरा आमेट, प्रदीप सोनी उदयपुर उपाध्यक्ष, बलवंत रांका भीलवाडा महामंत्री , दीपक सिंघवी उदयपुर मंत्री, गणपत चौधरी सरदारगढ गृहमंत्री, राजेन्द्र कोठारी केलवा, अनिल गोखरू आसिन्द, दीपक चपलोत राजसमंद सहमंत्री, कमलेश कच्छारा कांकरोली कोषाध्यक्ष, सीए कल्पित मुथा सह कोषाध्यक्ष नाथद्वारा, अरूण मेहता उदयपुर संगठन महामंत्री, विनोद चण्डालिया कांकरोली, अमित मेहता भीलवाडा, राजेन्द्र बडोला दौलतगढ संगठन मंत्री, रोहित चौधरी उदयपुर मीडिया प्रभारी, सुनील मूणोत भीम प्रवक्ता, भीखम चंद कोठारी कांकरोली कार्यालय प्रवक्ता सहित करीब 225 पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

सहकारिता मंत्री गोतम दक ने कांफ्रेंस कार्य समिति सदस्यों को एवं स्थानीय विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने महिला प्रतिनिधियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजकुमार फतावत ने आगामी दो वर्षो के कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का शुभारंभ तेरापंथ महिला मंडल कांकरोली की बहनों द्वारा किया गया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन ने किया।

शब्दो द्वारा स्वागत निवर्तमान अध्यक्ष देवेंद्र कच्छारा एवं महासभा अध्यक्ष व महामंत्री के शुभकमाना संदेश का वाचन कार्यकारी अध्यक्ष भूपेंद्र चोरडि□ा द्वारा किया गया। आभार नवमानोनित महामंत्री बलवंत रांका ने किया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन सोनिका जैन द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में समस्त मेवाड़ के 80 से अधिक गाँवो के समाजजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

श्यामा प्रशाद मुखर्जी जयंती मनाई गई

पदमावत मीडिया

सायला। भाजपा मंडल सायला में श्यामा प्रशाद मुखर्जी के पुण्यतिथि पर दीप प्रज्वलित कर जयंती मनाई गई। इस कार्यक्रम मे संयोजक मूलसिंह चम्पावत मंडल महामंत्री मांगीलाल राजपुरोहित जिला परिषद सदस्य लालराम माली पूर्व उप प्रधान खंगार सिंह आसाना, थानमल थलवाड़, जुगराज माली, पूर्व सरपंच कस्तूराराम चौधरी, हरिसिंह राजपूत, दलपत सिंह राजपुरोहित जगताजी राजपुरोहित ताराराम चौधरी, रंगनात राजपुरोहित, जबर सिंह राजपुरोहित, चंपालाल राजपुरोहित, सोनाराम चौधरी, रघुनाथ सिंह राजपुरोहित, पहाड़सिंह राजपुरोहित, रणजीत सिंह राजपुरोहित, जितेंद्र राजपुरोहित, दूद सिंह राजपुरोहित, जगदीश राजपुरोहित, प्रवीण सिंह, पताराम, कालूराम अन्य भाजपा कार्यकर्ता रहे मौजूद।

फेसबुक पर धोखाधड़ी- 2.32 लाख रूपये लूटने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया

पदमावत मीडिया

उदयपुर । जिले के थाना सुखेर पुलिस टीम ने फेसबुक पर फर्जी विज्ञापन देकर 2.32 लाख रूपये ठगने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया। दरअसल 3 जनवरी 2024 को भोपाल सिंह, निवासी रॉयल ट्यूलीप सोसायटी, न्यू नवरतन कॉम्प्लेक्स, पुलिस थाना सुखेर, जिला उदयपुर ने रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया कि उन्होंने फेसबुक पर **BwC HOLIDAYS PVT LTD** के विज्ञापन में दुबई यात्रा के पैकेज के बारे में पढ़ा। फिर फर्म के मालिक कैलाश राठौड़ ने उन्हें पूरे पैकेज की कुल राशि 5,8000 रूपये बताई। उन्होंने फोन पे के माध्यम से 1,50,000 रूपये भेजे और फिर चारों पैसेंजर की पासपोर्ट फोटो भेजी। उसके बाद उन्होंने होटल की बुकिंग के लिए 54,000 रूपये मांगे, जिन्हें भी भेज दिए। वीजा हेतु भी 28,000 रूपये मांगे, जो उन्होंने ट्रांसफर किए। उन्होंने उदयपुर स्थित टूर ऑपरेटर से फ्लाइट टिकट की पुष्टि करवाने की कोशिश की, लेकिन वह नकली बता दिया गया। जब उन्होंने इसे फर्म के मालिक को बताया, तो कोई सन्तोषप्रद जवाब नहीं मिला। और उन्होंने इसके बाद प्रकरण दर्ज करवाया।

मामले को लेकर जिला पुलिस अधीक्षक, उदयपुर योगेश गोयल के निर्देशानुसार, एक टीम तकनीकी सहायता से **BwC HOLIDAYS PVT LTD** के संबंध में विस्तृत जानकारी इकट्ठा करके दिल्ली भेजी गई। यहां पर फर्जी वेबसाइट के माध्यम से धोखाधड़ी करने वाले कैलाश राठौड़ के खिलाफ कार्रवाई की गई, जिसके आधार पर आरोपी की गिरफ्तारी की गई। राठौड़ के आरोपी होने के संदर्भ में पुलिस ने निवास पते से भी जानकारी प्राप्त की, और आरोपी को उत्तरी दिल्ली में गिरफ्तार किया गया।वहीं मामले के संबंध में कार्यवाही जारी है।

मेवार प्रीमियर लीग- स्टेलियंस की लगातार तीसरी हार तो चित्तौड़गढ़ पहुंची पॉइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर

पदमावत मीडिया

उदयपुर । वंडर स्पोर्ट्स के शिकारबाड़ी क्रिकेट ग्राउंड में 100 स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित मेवाड़ प्रीमियर लीग रोजाना नए मोड़ ले रही है। आज शाम 4»00 बजे से राजसमंद स्टेलियंस और रॉयल राजपूताना कॉन्करर्स के बीच हुए पहले मुकाबले में कॉन्करर्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरे स्टेलियंस के ऊपरी क्रम की कॉन्करर्स की बॉलिंग के सामने एक न चली और टीम ने 53 रन पर 4 विकेट खो दिए। जिसके बाद महिजीत सिंह नाबाद 39 और राज शर्मा नाबाद 27 ने पारी को अच्छे से संभाला और टीम को 14.5 ओवर में 118 के स्कोर तक पहुंचा दिया। जिसके बाद बारिश के चलते काफी देर तक मैच को रोकना पड़ा, जिसके कारण पहली पारी को यहीं समाप्त करते हुए ष्ठरू नियम के तहत रॉयल राजपूताना को 10 ओवर में 99 रन का लक्ष्य दिया गया। जवाब में टीम के कई खिलाड़ियों अनिरुद्ध चौहान 11 बाल पर 19, मुकुल चौधरी 20 बाल 36 रन और शाहबाज की 8 बाल में 20 रनों की छोटी मगर तेज पारियों ने आसानी से इस मैच को अपने कब्जे में ले लिया। मुकुल को प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। मुख्य अथिति के रूप में राजस्थान पुलिस स्पेशल ब्रांच के गोवर्धन सिंह भाटी, पूर्व रणजी खिलाड़ी कृष्णन चौधरी, यूडीसीए वाइस प्रेसिडेंट मुहम्मद शाहिद मौजूद रहे। इसके बाद खेला गया दूसरा मुकाबला काफी लो स्कोरिंग रहा। चित्तौड़गढ़ ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी। स्लो पिच के चलते टीम लगातार विकेट खोती रही, लेकिन कप्तान रजत छपरवाल ने एक तरफ से मोर्चा संभाले रखा और उनकी 38 गेंदों में 48 की खेली गई सूझबूझ वाली पारी की वजह से टीम 112 रन तक पहुंच पाई। लक्ष्य हासिल करने उतरी उदयपुर रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज हर्षवर्धन सिंह 43 रन ने कोशिश तो करी, लेकिन दूसरे छोर पर उन्हें किसी का साथ न मिल सका और सब एक के बाद एक डगआउट की ओर लौटते गए। आखिर में सत्तर खान नाबाद 21 रन ने एक बार फिर प्रयास किया, लेकिन टीम को जीत तक न पहुंचा सके। 4 ओवरों में 10 रन देकर 3 विकेट लेने के लिए राजस्थान पत्रिका के रीजनल हेड अजीत जॉनी ने विश्वजीत को प्लेयर ऑफ द मैच की ट्रॉफी से नवाजा। इसके अलावा यूडीसीए के ज्वाइंट सेक्रेटरी सुरेश सोनी, रणजी ट्रॉफी कोच रघुवीर सिंह झाला आदि मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

League Matches (League Matches)

Team	M	W	L	T	NR	Pt.	NRR
Bhilwara Warriors	2	2	0	0	0	4	1.650
Chittorgarh Cheetahs	3	2	1	0	0	4	1.103
Dungarpur Dragos	2	1	1	0	0	2	0.168
Udaipur Royals	2	1	1	0	0	2	-0.280
Royal Rajputana Conquerors	2	1	1	0	0	2	-0.347
Rajsamand Stallions	3	0	3	0	0	0	-2.528

फॉर्च्यूनर कार से अवैध शराब का परिवहन करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

पदमावत मीडिया

उदयपुर । जिले के थाना टीडी में पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है और पुलिस ने फॉर्च्यूनर कार से अवैध शराब का परिवहन करने वाले 1 साल से ज्यादा समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है।

दरअसल बीती 21 अप्रैल 2023 को उदयपुर-अहमदाबाद हाईवे पर नाकाबन्दी तोड़कर भाग रही एक फॉर्च्यूनर कार को पुलिस टीम द्वारा रूकवाया गया था जिसमें राजस्थान निर्मित विभिन्न ब्राण्ड की अंग्रेजी शराब के 40 कार्टून सहित फॉर्च्यूनर कार को जप्त किया गया था। वहीं वाहन चालक मौके से पहाड़ी क्षेत्र की तरफ भाग गया था। जिसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया था और आरोपी की तलाश शुरू की गई थी।

एसपी योगेश गोयल के निर्देश पर टीडी टीम द्वारा प्रकरण में जप्त वाहन के मालिक का पता लगाया गया और वाहन मालिक रविन्द्र सिंह पिता नवल सिंह निवासी सवापुर थाना तलोद जिला साबरकाठा, को दस्तयाब किया गया। पूछताछ में सामने आया की आरोपी प्रकरण में जप्तशुदा वाहन का मालिक होकर ही उसमें अवैध शराब का परिवहन कर रहा था साथ ही फर्जी नंबर प्लेट का उपयोग करने पर उसके खिलाफ मामला दर्ज करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया और पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है वहीं आगे की कार्यवाही जारी है।

भारत विकास परिषद लेकसिटी उदयपुर का दायित्व ग्रहण समारोह

पदमावत मीडिया

उदयपुर । भारत विकास परिषद लेकसिटी, उदयपुर का दायित्व ग्रहण समारोह माछला मगरा सामुदायिक भवन, उदयपुर में संपन्न हुआ । मिडिया प्रभारी नरेश पूर्बिया ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उदयपुर ग्रामीण के लोकप्रिय विधायक फूलसिंह मीणा थे ।कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा संरक्षक राव नरपतसिंह आसोलिया ने की। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय मंत्री डॉ जयराज आचार्य ,रीजनल मंत्री संजीव भारद्वाज, दक्षिण प्रांत के अध्यक्ष गिरीश पानेरी, जिला समन्वयक राकेश नंदावत व विजय गोधा थे । सभी अतिथियों का उपरणा, स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। स्वागत भाषण राकेश नदावत ने दिया। प्रांतीय अध्यक्ष गिरीश पानेरी ने अध्यक्ष सुनील कुमार पामेचा, सचिव ललित चौधरी, कोषाध्यक्ष गजेन्द्र पालीवाल को एवं राष्ट्रीय मंत्री जयराज आचार्य ने कार्यकारिणी को तथा नए सदस्यो को रीजनल मंत्री संजीव भारद्वाज ने शपथ दिलाई। विशिष्ट अतिथि जयराज आचार्य नू अपने उद्बोधन में कहा कि भारत विकास परिषद सम्पर्क, सहयोग, संस्कार, सेवा व समर्पण की भावना से समाज में कार्य करता है । और परिषद में करीब 75 हजार परिवार सदस्य हैं ।संरक्षक नरपतसिंह आसोलिया ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए शाखा की विस्तृत जानकारी दी।। उदयपुर विधायक ग्रामीण फूल सिंह मीणा ने संबोधन में कहा कि भारत विकास परिषद लेकसिटी नऐ -नऐ कीर्तिमान स्थापित कर रही है। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पवन कोठारी, शैलेंद्र जोशी ,मीडिया प्रभारी नरेश पूर्बिया, संपर्क प्रमुख लक्ष्मी नारायण चौहान ,सह सचिव मुकेश कोठारी , महिला प्रमुख पुष्पा मारू, चंचल जोशी, विभिन्न प्रकल्प प्रभारी जितेंद्र बोर्दिया, मनीष ड़ाड ,त्रिलोक चौधरी ,कृष्णा दादरवाल को शपथ दिलाई। मीडिया प्रभारी नरेश पूर्बिया ने बताया कि आज सात नए सदस्यों ने लेकसिटी शाखा की सदस्यता ग्रहण की। अध्यक्ष सुनील कुमार पामेचा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष भर नए-नए कार्य करके लेकसिटी शाखा को प्रांत में सर्वश्रेष्ठ शाखा का बनाने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में जिला समन्वयक प्रशांत व्यास, महासचिव मनीष तिवारी , विभिन्न शाखाओं के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, प्रताप सिंह पोकरणा, बिना पोकरणा, अनूप खंडेलवाल, पवन कोठारी ,संगीता कोठारी ,देवेंद्र सिंह राठौड़, बिना राठौड़ , रमेश मारू सहित 93 सदस्य उपस्थित थे। संचालन सचिव ललित चौधरी ने किया।

मनोज सामरिया का भूटान मे अंतराष्ट्रीय समरसता अवॉर्ड से सम्मान

पदमावत मीडिया

डूंगरपुर । अंतराष्ट्रीय समरसता मंच की तरफ से भूटान की राजधानी थिंफू मे समरसता सांस्कृतिक समन्वय सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमे भारत से कई राज्यों के सामाजिक कार्यकर्ताओ ने शिरकत की डूंगरपुर जिले के गलियांकोट तहसील के समाज सेवी मनोज सामरिया को समाजिक सरोकार के तहत भारत भूटान सांस्कृतिक समन्वय सम्मेलन मे भूटान देश के शीर्ष धर्मगुरु रिंपोछे सामवे दौराजी भूटान के पूर्व प्रधान मंत्री किगजे दोरजि व पूर्व मन्त्री लोकनाथ शर्मा ने समाज सेवी मनोज सामरिया को सम्मानित किया जिससे वागड़ प्रेमी समाज के लोगो ने बधाईया व शुभकामना दी।

स्थापना दिवस और वार्षिक उत्सव में ताल पंचम सवारी मे तबला वादन और हारमोनियम की जुगलबंदी से गदगद हुए श्रोता

पदमावत मीडिया

उदयपुर । गुलाब बाग आरएमवी रोड स्थित शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में अग्रणी अर्बुदा कला मंदिर संगीत प्रशिक्षण संस्थान ने रविवार को 12वां स्थापना दिवस एवं वार्षिक उत्सव का आयोजन शहर के बीचो-बीच स्थित हरियाली रेस्टोरेंट में किया । इस अवसर पर शहर के जाने-माने तबला वादक ओम कुमावत और उनके शिष्यों विहान भंसाली, विहान वर्डिया, विशेष नागदा, रुचिर मंडावरिया और ऋतिक कुमावत ने ताल पंचम सवारी, रूपक ताल, तीन ताल में तबला वादन की जुगलबंदी प्रस्तुति की तो उपस्थित संगीत श्रोता झूम उठे। इनके साथ लहरे पर संगत मुख्य अतिथि एवं मुख्य कलाकार ओम कुमावत ने की। अध्यक्षता शास्त्रीय गायक महेंद्र कुमार वर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि तबला वादक अखिलेश शर्मा थे।

संस्थान की कोरियोग्राफर निकिता अग्रवाल ने बताया कि वार्षिक उत्सव एवं स्थापना दिवस के भव्य समारोह में संस्थान की ओर से स्टूडेंट ऑफ द ईयर का पुरस्कार छात्र प्रभात गरासिया, नन्हे कलाकार पुरस्कार तक्ष बाली अनुशासन देव कुमावत, स्वच्छता वंशिका कुमावत वरिष्ठ नागरिक, रोहित कुमार शर्मा, सेवा प्रदाता, प्रोफेसर महेंद्र सिंह ढाका सर्वाधिक उपस्थिति पुरस्कार अंबालाल साहू नैणावा और सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति का पुरस्कार सौम्या जैन को प्रदान किया गया। संस्थान के निदेशक विवेक अग्रवाल ने बताया कि इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत हरे कृष्ण महामंत्र और संस्थान परिचय से हुई। तत्पश्चात वीनू वैष्णव ने ईश वंदना मीठे रस से भरी रे, सरस्वती वंदना अराध्या वैष्णव हे शारदे मां ,स्वागत गीत हरमेश जैन, स्वागत नृत्य मनाली पुरबिया और निकिता अग्रवाल ने प्रस्तुत किया।

समाहरों में अंतर कक्षा संगीत प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमे बांसुरी वादन पर वंदे मातरम देव कुमावत माउथ ऑर्गन पर हम होंगे कामयाब धैर्य बठीजा, हारमोनियम पर श्री राम स्तुति प्रवीण बागड़ी, हारमोनियम पर ही नागिन धुन सौम्य जैन, प्रोफेसर महेंद्र सिंह ढाका ने हारमोनियम पर श्री राधे गोविंदा भजन की प्रस्तुति से खूब नचाया।

हरमेश जैन और अंबालाल साहू ने कराओके सिंगिंग प्रस्तुत की। संस्थान निदेशक विवेक अग्रवाल ने बताया कि इस समा समारोह में विभिन्न संस्कृति से ओत-प्रोत नृत्य प्रस्तुत किए गए जिसमें गुजराती डांस मोनिशा अग्रवाल वेस्टर्न डांस यशस्श्री अग्रवाल और तोशी अग्रवाल राजस्थानी डांस निकिता एंड निकिता अग्रवाल ने प्रस्तुत किया। अर्बुदा वरिष्ठ नागरिक क्लब के नारायण सालवी चंद्र प्रकाश गंधर्व वीनू वैष्णव, श्रीमती मंजू गर्ग ने अपनी सुरीली गायकी से खूब दाद पाई। आयोजन में संस्थान के संगीत विद्यार्थियों विनोद शारदा ने वायलिन पर दिल ने पुकारा आजा, दृष्टि भट्ट ने सितार पर धुन अराध्या वैष्णव ने हारमोनियम पर होठो से छू लो तुम वंशिका कुमावत ने राग यमन में छोटा ख्याल और सरगम गीत, रोहित कुमार शर्मा ने हारमोनियम पर राग केदार, हरमेश जैन ने हारमोनियम पर राग हमीर मनाली पुरबिया ने राग भीमपलासी की प्रस्तुति से उपस्थित सभी दर्शकों और श्रोताओं को आकर्षित किया। संस्थान की छात्रा अवनि तिवारी और प्रवीण बागड़ी ने बंगाली गीत छात्र तमन्ना गोयल ने राजस्थानी गीत

कुंणजी खुदाया कुआ बावड़ी प्रवीण बागड़ी ने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की शौर्य गाथा प्रस्तुत की। इस समाहरों में 100 से अधिक लोगों ने शिरकत की। इस अवसर पर संगीत मार्गदर्शन अक्षय अग्रवाल, सुव्रत अग्रवाल, संरक्षक सुरेश चंद्र अग्रवाल हरियाली रेस्टोरेंट के महेंद्र कुमार अग्रवाल श्रीमती रेखा अग्रवाल, श्री राम मानस मंडल के रवि पालीवाल, विजय गर्ग और समस्त छात्र-छात्राओं सहित अभिभावक गण उपस्थित थे। कार्यक्रम में अर्बुदा कला मंदिर संगीत प्रशिक्षण संस्थान की ओर से इस आयोजन में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतियोगियों, प्रतिभागियों और विशेष प्रस्तुति देने वाले छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रतीक चिन्ह और पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ओम कुमावत ने अपने संबोधन में शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुतियों को खूब सराहा और संस्थान के कार्यों की प्रशंसा की। समस्त कार्यक्रम का संचालन इतिहास विषय की वरिष्ठ सेवानिवृत्ति अध्यापिका नूतन वेदी और विवेक अग्रवाल ने किया। अंत में सभी का आभार संस्थान के प्रधानाचार्य शास्त्रीय गायक महेंद्र कुमार वर्मा ने ज्ञापित किया। आयोजन में शहर के सभी मीडिया कर्मियों की भी अहम भूमिका रही।

भगवान आदिनाथ स्वामी का गर्भ कल्याणक महोत्सव मनाया

मूलनायक भगवान की महामस्तकाभिषेक एवं शांतिधारा

पदमावत मीडिया

उदयपुर । हिरण मगरी सेक्टर 3 स्थित श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर श्री दिगम्बर जैन बीसा नरसिंहपुरा तेरह पंथ समाज की ओर से रविवार को जैन समाज के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ स्वामी का गर्भ कल्याणक महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया।

मंदिर अध्यक्ष पारस सिंघवी एवं विधानाचार्य पण्डित अंकित शास्त्री ने बताय कि अषाढ कृष्णा द्वितीया को सुबह 7 बजे श्रीजी का महामस्तकाभिषेक शांतिधारा की गई उसके बाद नित्य नियम पूजन की गई। विधानाचार्य पण्डित अंकित शास्त्री के निर्देशन में प्रात» कालीन 8 बजे से कुण्डलपुर बाले बडे बाबा महामण्डल विधान का आयोजन किया। जिसके इसमें 48 अर्घ्य चढ़ाए गए। जिसमें राजेश-नीलम मेहता ने विधि विधान से पूजा-अर्चना की। विधानकर्त्ता व स्वामीवात्सल्य भोज पुण्यार्जक शेखर चन्द्रप्रभा, राजेश-नीलम, ऋषभ-प्रियका मेहता रहे। इस अवसर पर मंदिर अध्यक्ष पारस सिंघवी, महेन्द्र टाया, राजेश टाया, राजेन्द्र अखावत, नरेन्द्र टाया, महावीर जस्सीगोत, गजेन्द्र कचरावत, महावीर भोजावत एंव महावीर चैत्यालय महिला मण्डल समस्त कार्यकारणी अर्चना पटवारी, अंजन टाया, साधना कचरावत, सुमन जैन, निकिता टाया, मंजूला अखावत, मधु राटौरिया सहित कई श्रावक-श्राविकाएं मौजूद रहे।

जनजाति अंचल के काश्तकारों का सहारा बनी राजस्थान सरकार

पदमावत मीडिया

उदयपुर । मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर प्रदेश के किसानों को राहत प्रदान करने के लिए समस्त संबंधित विभागों द्वारा प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में प्रदेश में मानसून की आहट के साथ ही खरीफ फसलों के लिए किसानों की तैयारियों को देखते हुए राज्य सरकार ने दक्षिण राजस्थान के जनजाति अंचल में प्रमुख रूप से बोई जाने वाली मक्का के उन्नत बीज निःशुल्क देने का फैसला किया है और किसानों को बीजों का वितरण प्रारंभ भी हो चुका है।

राज्य सरकार के निर्देशों पर किसानों की पैदावार बढ़ाने तथा कमजोर आय वर्ग किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज की आसानी से उपलब्धता हेतु कृषि विभाग द्वारा इस बार 1 लाख 20 हजार किसानों को हाइब्रिड मक्का के बीजों मिनीकिट का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है। इस मुहिम के तहत अब तक उदयपुर जिले में विभाग द्वारा 20 हजार

किसानों को निःशुल्क बीज मिनीकिट का वितरण किया जा चुका है।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि राज्य योजनांतर्गत अनुसूचित क्षेत्र के सभी वर्गों के किसानों(एसटी एवं नॉन एसटी) को निःशुल्क बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इस योजना के जरिए सरकार कृषकों को बुवाई हेतु उचित बीज निःशुल्क मुहैया करवाती है जो किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने का प्रयास है।

आधुनिक कृषि तकनीक और उन्नत बीजों का उपयोग आज के समय में कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सरकार की ओर से निःशुल्क वितरित किये जा रहे ये बीज मिनीकिट किसानों को अधिक मुनाफा प्राप्त करने के अवसर प्रदान करते है।

किसानों के सामने यह है चुनौती»

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार बुवाई हेतु उचित बीज का चयन करना किसानों के लिए बड़ी चुनौती रहता है, विशेषकर वे किसान जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। राजस्थान सरकार द्वारा इस समस्या का समाधान करने के लिए अनुसूचित क्षेत्र में उक्त योजना के माध्यम से कमजोर आय वर्ग के किसानों तक बीज पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से, सरकार उन गाँवों और क्षेत्रों को चुन रही है जहाँ अधिकांश कमजोर आय वर्ग के किसान हैं और उन्हें उपयुक्त बीज उपलब्ध कराए जा रहे है।

सिर्फ बीज ही नहीं खाद व उपकरण भी देने की योजना»

विभागीय अधिकारियों के अनुसार इस योजना के अंतर्गत किसानों के लिए आवश्यक उन्नत बीजों के साथकृसाथ खाद और उन्नत कृषि उपकरण भी प्रदान किये जाते हैं। इसके अलावा बीज वितरण के दौरान उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं और अनुदानों की जानकारी भी प्रदान की जा रही है ताकि वे अपनी खेती में अधिक सफलता प्राप्त कर सकें। यह योजना कृषि विकास में समानता और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे गरीब किसानों को भी कृषि क्षेत्र में विकास के समान अवसर प्राप्त होंगे।

महिला काश्तकारों को हो रहा वितरण»

कृषि विभाग के उपनिदेशक माधोसिंह चंपावत ने बताया कि उदयपुर जिले में मक्का किस्म डीएचएम 121 के अब तक 1 लाख 20 हजार मिनीकिट वितरण के लक्ष्य के विरुद्ध 20 हजार मिनीकिट ऑनलाइन माध्यम से वितरित किये जा चुके है। मिनिकिट वितरण में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, लघु एवं सीमान्त तथा गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले कृषकों को प्राथमिकता दी जा रही है। योजनांतर्गत मिनिकिट महिला के नाम से दिये जा रहे हैं, चाहे भूमि महिला के पति/पिता या ससुर के नाम से हो। उन्होंने बताया कि पात्र किसान अपने जनाधार कार्ड के माध्यम से अपने क्षेत्र के कृषि पर्यवेक्षक से निःशुल्क किट प्राप्त कर सकते हैं।

उदयपुर में आवागमन और शिक्षा की राह होगी सुगम डीएमएफटी मद से 208 करोड़ रुपए से अधिक की स्वीकृतियां जारी

पदमावत मीडिया

उदयपुर । प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में आमजन को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध है। विशेष तौर पर खनन प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं के प्रबंध एवं विस्तार के लिए डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट के माध्यम से कार्य स्वीकृत किए जा रहे हैं। इसी क्रम में असम के राज्यपाल श्री गुलाबचंद कटारिया के निर्देशों पर उदयपुर जिले में डीएमएफटी मैनेजिंग कमेटी के अध्यक्ष और जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल ने जनप्रतिनिधियों की अनुशंसा पर 208 करोड़ रूपए से अधिक की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियां जारी की।

जिला कलक्टर पोसवाल ने बताया कि असम के राज्यपाल श्री गुलाबचंद कटारिया, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी सहित अन्य विधायकों की अनुशंसा पर विभिन्न स्वीकृतियां जारी की गई हैं। इसमें जिले भर के 487 विद्यालय भवनों के मरम्मत कार्य के लिए कुल 94 करोड़ रूपए तथा विभिन्न ग्रामीण सड़कों के निर्माण, डामरीकरण, पुलिया निर्माण से जुड़े 63 कामों के लिए 114.82 करोड़ रूपए की स्वीकृतियां जारी की गई हैं।डीएमएफटी मद से होने वाले इन विकास कार्यों से इस अंचल में एक ओर जहां खनन प्रभावित क्षेत्र के निवासियों को राहत नसीब होगी वहीं अन्य क्षेत्रों के निवासियों को भी इसका लाभ मिल सकेगा।

इन स्थलों पर बढ़ेगी आवागमन सुविधा

झाडोल विधानसभा क्षेत्र में सड़क एवं पुलिया निर्माण से जुड़े 12 कार्यों के लिए 25.10 करोड़ की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृतियां जारी हुई। इसमें बिकरनी से टिनसारा सड़क पर रिटर्निंग वॉल कार्य, संपर्क सड़क ढेढमारिया पर पुलिया निर्माण, संपर्क सड़क गांधी सरणा पर पुलिया निर्माण, ढेढमारिया माता जी मंदिर से सरवण बागा के घर तक पुलिया निर्माण कार्य, मगवास दमाणा सड़क पर सीडी वर्क, कोल्यारी से ढाला रोड़ तक डीसी कार्यदेवास से बेचर रोड़ तक सीडी कार्य, नयावास सड़क मय पुलिया निर्माण, ओडा से रोहीमाला सड़क सीडी कार्य, जुड़ा से तोरणा सडक सुदृढीकरण एवं नवीनकरण कार्य तथा नयावास से मामनिया फला गुजरात बोर्डर डामरीकरण कार्य आदि शामिल हैं।

इसी प्रकार खेरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 8 कार्यों के लिए 25 करोड़ की स्वीकृति जारी की गई है। इसमें पादेड़ी हॉस्पीटल से खराड़ी फला तक संपर्क सड़क निर्माण, बिलखाई भैरूजी से बालदर भरदा वाया दरा धारूदा तक बीटी रोड़, मानपुरा कल्याणपुर संपर्क सड़क, नेशनल हाईवे 8 से मसारो की ओबरी रोड़ पर ब्रिज निर्माण, कारछा से खानिया लिमडी तक सड़क निर्माण, महादेव मंदिर से उप्रावि बावडीफला तक सड़क सड़क व हीका से पांडलिया तक सड़क निर्माण कार्य शामिल हैं।

उदयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में 17 कार्यों के लिए 24.06 करोड़ से अधिक की स्वीकृति जारी हुई। इसमें काया से गोविन्दपुरा सड़क, अमरपुरा टीडी में तलाबवाली घाटी से पदेरी घाटी मय पुलिया निर्माण, डाकनकोटड़ा टोल नाका से डाकनकोटड़ा गांव तक सड़क निर्माण, फूटी तलाई से बगारा मय पुलिया, डबन-रायता नाका पर पुलिया निर्माण, मामादेव से चांसदा सड़क सुदृढीकरण व नवीनीकरण कार्य, धूणी माता से सुखानाका मिसिंग लिंग, उमरड़ा में रामा फेक्ट्री से बंजारा बस्ती तक सड़क कार्य, उमरडा-झापा डेडकिया संपर्क सड़क, पोपल्टी से फांदा संपर्क सड़क, अलसीगढ़ कालीवास में पुलिया निर्माण, बेडवास पुलियानिर्माण, उमरडा मैनरोड़ से निचली भागत होते हुए पावर हाउस तक सड़क निर्माण, काया में झाडा अडूवा से दादराफला सड़क, धूणी माता से खोखरा फला सड़क तथा गौरव पथ निर्माण मुख्य सड़क से नवीन पंचायत भवन तक नया खेड़ा सड़क कार्य शामिल हैं।

वल्लभनगर विधानसभा क्षेत्र में 7 कार्यों के लिए 11.47 करोड़ रूपए की स्वीकृति जारी हुई। इसमें बुथेल से मोरा मंगरा वाया मेहता रेट डामर रोड़, कुराबड़ बम्बोरा मुख्य सड़क से फूटाना सुलेखा तक डामर रोड, जगत जयसमंद चौराहा से जगत गिंगला चौराहा तक सीसी रोड़ निर्माण, फिला में सती माता से देवरिया तक डामर सड़क, कोट पंचायत से तेड माताजी तक डामर सड़क, आडा तलाई से रावली तलाई तक डामर सड़क, आवरा से कलोडिया तक डामर सड़क शामिल हैं। मावली विधानसभा क्षेत्र में भोपाली भील बस्ती से सकदर स्कूल मोहल्ले तक डामरीकरण कार्य के लिए 50 लाख रूपए, लोडाई सरेकला से कुण्डाल की भागल से सरे खुर्द तक सड़क के लिए 225 लाख तथा चीरवा में मोहनपुरा एनएच 8 से मुंगेडिया होते हुए मेनारिया समाज के नोहरा तक 3 किमी सड़क के लिए 150 लाख रूपए की स्वीकृति जारी की गई है।

गोगुन्दा विधानसभा क्षेत्र में 24.94 करोड़ की लागत से 16 कार्य स्वीकृत किए गए। इसमें झाडोल मैन रोड़ से कडेचावास सड़क निर्माण, ओगणा मुख्य सड़क से घरावण तक डामरीकरण सड़क, नला भील बस्ती पाटिया से तलई चोड़ा तक सड़क निर्माण फटिया भील बस्ती से वाया थोरमगरी से एनएच 27 तक सड़क, मदारड़ा से केशवपुरा माताजी खेड़ा तक डामरीकरण सड़क, सेमटाल विद्यालय से हाईवे तक सड़क, गोगुन्दा से पितिया तलाई तक मिसिंग लिंक सड़क, कोविया से रणकपुर रोड़ तक सड़क निर्माण, गायफल से पलासमा तक डामर सड़क, भानपुरा में वागड बग्गड मुख्य गांव से राठौड़ा गुड़ा तक डामर सडक, सायरा में रावों का सायरों से भील बस्ती उपला वट तक डामर सड़क, भानुपरा से दाणा भील बस्ती तक डामर सड़क, भूताला मैन रोड़ से टेर का भीलवाड़ा तक डामर सड़क, भूताला मैन रोड दरवाजा से नेतावतों की भागल तक डामर सड़क, कडिया भीलवाड़ा से तेरावण माता मंदिर तक डामर सड़क, एनएच 27 से झालों का गुड़ा वाया सेलु डामर सड़क कार्य शामिल हैं।

487 स्कूल भवनों की होगी मरम्मत

डीएमएफटी के माध्यम से जिले भर के 487 स्कूल भवनों की मरम्मत के लिए 94 करोड़ रूपए की प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई है। इसके अलावा पूर्व में स्वीकृत कार्य आम्बुआ गांव से नाका फला डामर सड़क तथा चासदा पीएचसी से मुख्य सड़क तक डामरीकरण कार्य के लिए 21.53 लाख रूपए की अग्रिम किश्त राशि भी स्वीकृत की गई। वहीं आयुर्वेदिक विभाग में ई.जी.सी. एवं पंचकर्म मशीन के लिए 8 लाख का कार्यादेश भी जारी किया गया है।

यह है डी.एम.एफ.टी

केंद्र सरकार की ओर से खनन प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना (पी.एम.के.के.वाई) के तहत एम.एम.डी.आर. एक्ट-1957 में 12 जनवरी 2015 की अधिसूचना को संशोधन कर धारा-9बी जोड़ते हुए डी.एम.एफ.टी. (डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट) का प्रावधान लागू किया गया था। इसके तहत राज-स्थान में 31 मई 2016 को राज-स्थान डी.एम.एफ.टी. नियम-2016 अधिसूचित किए गए। उक्त नियम का मुख्य उद्देश्य रॉयल्टी के साथ डी.एम.एफ.टी. के रूप में अतिरिक्त राशि प्राप्त कर, उसका उपयोग ट्रस्ट के माध्यम से खनन प्रभावित क्षेत्र में बुनियादों आवश्यकताओं की पूर्ति करना है। इसके तहत कार्यों को प्राथमिक व औपचारिक दो श्रेणियों में बांटा गया है। प्राथमिक क्षेत्र के कार्यों में शिक्षा, चिकित्सा, मूल भूत आवश्यकताएं जैसे सड़क, पेयजल क्षेत्र के कार्य सम्मिलित हैं। शेष प्रकार के कार्य औपचारिक श्रेणी में आते हैं। इसी प्रकार सिलिकोसिस पीड़ित व्यक्तियों को सहायता राशि का भुगतान डी.एम.एफ.टी. के माध्यम से ही किया जाता है। जिला उदयपुर में डी.एम.एफ.टी. में अनुमानित बजट 138 करोड़ रूपये वार्षिक है।

उदयपुर में अब तक 431 करोड़ रूपए स्वीकृत

उदयपुर जिले में डी.एम.एफ. टी. से अब तक 2225 कार्यों की 431 करोड़ रूपये की वित्तीय स्वीकृति जारी की जा चुकी है। इनमें से मई-2024 तक 1727 कार्यों में 260 करोड़ रूपये की राशि व्यय की जा चुकी है।

स्काउट एंड गाइड उदयपुर ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर का समापन

पदमावत मीडिया

उदयपुर । राजस्थान राज्य भारत स्काउट एंड गाइड जिला मुख्यालय उदयपुर के तत्वावधान में द विजन अकादमी में आयोजित ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर का समापन समारोह रविवार को संपन्न हुआ।

शिविर प्रभारी उदयपुर गाइड सीओ श्रीमती विजयलक्ष्मी वर्मा ने बताया कि शिविर में विभिन्न गतिविधियां जैसे संगीत, चित्रकला, आर्ट एंड क्राफ्ट, इंग्लिश स्पोकन, गणित, मेहंदी डिजाइन, क्ले आर्ट, योग, नृत्य, सिलाई एवं सौंदर्य प्रसाधन कला सहित विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही थी। समापन समारोह मे मुख्य अतिथि विजन एकेडमी की प्रधानाचार्य डॉक्टर प्रतिमा सामर तथा श्रीमती दिव्या प्रभा नागर रही। समारोह का शुभारंभ संगीतमय सरस्वती आराधना से किया गया। इस अवसर पर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। शिविर के सभी 150

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। अध्यक्ष उद्बोधन में श्रीमती वर्मा ने बताया कि स्काउट गाइड राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानव सेवा के कार्यों को बहुत निष्ठा के साथ करता है तथा विद्यार्थियों के चारित्रिक उन्नयन के लिए भी सदैव प्रयासरत रहता है। शिविर के दक्ष प्रशिक्षकों को भी उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। समापन समारोह में विभिन्न गतिविधियां जैसे नृत्य संगीत प्रस्तुति फैशन डिजाइनिंग कांटेस्ट गणित पर आधारित प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न संकायों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई। अभिभावको एवं छात्रों ने ग्रीष्मकालीन अभिरुचि शिविर के दौरान निर्मित कलाकृतियों का अवलोकन किया। शिविर का संचालन एवं संयोजन उमेश माली तथा देव रावत द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन वीरभद्र सिंह बारहठ ने किया। शिविर में प्रशिक्षक के रूप में कमल अरोड़ा, कुशल कुमार सिग्लिकर, उमेश पुरोहित, जयप्रकाश माली, चंद्र प्रकाश मोची, अदिति शर्मा, मनीष दीक्षित,, खुशी माधवनी किरण सोनी, उर्मिला वैष्णव, कोमल शिवानी एवं रेंजर्स गाइड्स ने सेवाएं दी।

उदयपुर को आज मिलेगी बटरफ्लाई पार्क की सौगात

एक विशेष तितली की उपस्थिति वाला भारत का पहला पार्क बनेगा हमारा यह बटरफ्लाई पार्क

पदमावत मीडिया

उदयपुर । नैसर्गिक सौंदर्य से लकदक झीलों की नगरी को सोमवार को एक अनूठे बटरफ्लाई पार्क की सौगात मिलने जा रही है। इस बटरफ्लाई पार्क की खासियत यह है कि इसमें पाई जाने वाली एक विशेष प्रजाति की तितली समूचे भारत भर में सिर्फ इसी पार्क में पाई जाती है और इसकी यह विशेषता समूचे विश्वभर के तितली प्रेमियों को यहां आने पर मजबूर करेगी।

उप वन संरक्षक अजय चित्तौड़ा ने बताया कि सोमवार शाम आयोजित होने वाले इस पार्क के शुभारंभ समारोह के मुख्य अतिथि असम के राज्यपाल माननीय गुलाबचंद कटारिया होंगे तथा अध्यक्षता वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री संजय शर्मा करेंगे। शहर के अंबेरी में5 हेक्टेयर में 50 लाख रुपयों की लागत से स्थापित इस बटरफ्लाई पार्क का शुभारंभ लेकसिटीवासियों सहित देशकृविदेश के पर्यटकों के लिए अनोखी सौगात होगी।

जेब्रा स्किपर दिलाएगी विशेष पहचानः

बटरफ्लाई पार्क निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले डूंगरपुर जिले के सागवाड़ा निवासी तितली विशेषज्ञ मुकेश पंवार ने बताया कि इस बटरफ्लाई पार्क की खास विशेषता यहां पर पाई जाने वाली एक विशेष प्रजाति की तितली है, जिसका नाम जेब्रा स्किपर है। इस तितली का वैज्ञानिक नाम एर्नस्टा जेब्रा है। उन्होंने बताया कि इस तितली का जीवन चक्र अर्थात अंडा, लार्वा, पुपा तथा फूलो का रस पीने के पौधे (नेक्टर प्लांट) विश्व में पहली बार उनके शोध पर ही रिसर्च पेपर (बायोनॉट दिसंबर 2023) के माध्यम से प्रकाशित किया गया।

यह तितली अपने अंडे मेलहानिया फुटेपोरेंसिस नामक पौधे पर देती है। यह वनस्पति संकट ग्रस्त पौधो की सूची में सम्मिलित है तथा बटरफ्लाई पार्क में इस पौधे की उपस्तिथि देखी गई है।

पंवार ने ही खोजी है यह तितलीः

भारत में इस तितली की खोज वर्ष 2020 में मुकेश पंवार ने सागवाड़ा जिला डूंगरपुर से की थी। तब इस तितली का जीनस स्पियलिया था, अतः स्पियलिया जेब्रा के नाम से खोज हुई थी। उन्होंने बताया कि यह तितली इस पार्क में अगस्त से दिसंबर तक देखी गई है। अतः यह पार्क भारत पहला बटरफ्लाई पार्क होगा जहां इस तितली की उपस्थिति देखी जा सकेगी।

आचार्य लक्ष्मीकांत जोशी बालकथा साहित्य सम्मान डॉ विमला भंडारी को

उदयपुर । प्रतिवर्ष अखिल राजस्थान स्तरीय आचार्य लक्ष्मीकांत जोशी साहित्य सम्मान साहित्य की विभिन्न विधाओं पर दिया जाता है । इस सम्मान हेतु इस बार बाल कथा साहित्य की प्रविष्टियाँ आमंत्रित की गई थीं । सृजना अध्यक्ष सुषमा चौहान ने बताया कि इस बार निर्णायकों ने प्राप्त पुस्तकों में से डॉ विमला भंडारी के बाल कथा संग्रह 'पृथ्वी ने मांगी चप्पल' को सर्वश्रेष्ठ कृति घोषित किया । डॉ विमला भंडारी इससे पूर्व साहित्य अकादमी नई दिल्ली से बाल साहित्य के लिए पुरस्कृत हो चुकी है । इसके अतिरिक्त वे राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर तथा राजस्थान भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी से भी बाल साहित्य लेखन हेतु सम्मानित हो चुकी हैं । विश्व साहित्य हिंदी संस्थान कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन कनाडा ने उन्हें उनके समग्र लेखन के लिए सम्मानित किया था । उनके लिखे 'अनमोल भेंट', 'इल्ली और नानी', 'सुनेहरी और सिमरु', 'सितारों से आगे', 'कारगिल की घाटी' जैसे बाल तथा किशोर कथा साहित्य को विभिन्न राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है । बाल साहित्य में उनकी कुल 20 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं । सृजना सचिव डॉ हरीदास व्यास ने बताया कि इस बार इस साहित्य सम्मान के निर्णायकगण सुषमा चौहान और डॉ नीना छिब्बर थीं । डॉ विमला भंडारी को भव्य सम्मान समारोह में पुरस्कार के अंतर्गत श्रीफल, सम्मान पत्र, साफा पहना कर 21 हजार रुपए राशि का चेक प्रदान किया जाएगा ।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं प्रधान सम्पादक - पवन जैन पदमावत, प्रधान कार्यलय - गणेश नगर, कांदिवली वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र से अमुद्रित ऑनलाइन प्रकाशित । मो. 9594542679, e-mail: padmavatmedia@gmail.com
web. padmavatmedia.in. नोट» (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई (महाराष्ट्र) होगा । उक्त ई-पेपर को अवैध रुप से छपवाना कानूनन अपराध है।